बाएं: ओहायो की केस वेस्टर्न रिजर्व यूनिवर्सिटी में इंजीनियरी के छात्र केविन डे और उनके भाई ब्रायन विकलांग बच्चों के खिलौने ठीक कर रहे हैं।

विश्वविद्यालयी छात्र-छात्राओं में बढ़ी सेवा भावना

मार्था पलुक

एक अध्ययन के मुताबिक अमेरिका में सामुदायिक सेवा परियोजनाओं में बतौर स्वयंसेवक काम करने को उत्सुक विश्वविद्यालयी विद्यार्थियों की संख्या में वर्ष 2002 के मुकाबले करीब 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

पूरे अमेरिका में स्वयंसेवी संगठनों को अनुदान और सहयोग प्रदान करने वाली स्वतंत्र और संघीय एजेंसी कार्पोरेशन फॉर नेशनल एंड कम्युनिटी सर्विस के अनुसार विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्रा राष्ट्र में स्वयंसेवकों के बड़े और बढ़ते स्रोत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस एजेंसी के नवीनतम अध्ययन के मुताबिक वर्ष 2005 में विश्वविद्यालयों के हर 10 छात्र-छात्राओं में से 3 यानी 33 लाख लोगों ने बतौर स्वयंसेवक काम करने की पेशकश की। यानी 2002 के 27 लाख के मुकाबले छह लाख की बढ़ोतरी। विश्वविद्यालय परिसरों और समाज के बीच विश्वविद्यालयों के छात्र तरह-तरह की स्वयंसेवी गतिविधियों में भाग ले रहे हैं, जैसे बच्चों को ट्यूशन देना और उनका जीवन संवारना, अच्छे कार्यों के लिए धन जुटाना, और 2005 के कैटरिना, रीटा तूफानों समेत तमाम प्राकृतिक आपदाओं की चपेट में आए साथी नागरिकों को व्यवस्थित होने में मदद देना।

समुदाय-आधारित शोध और सेवा के ज़रिये सीखना

अमेरिका में विश्वविद्यालयों की स्थापना शैक्षिक उद्देश्यों के अलावा नागरिक सहभागिता के सिद्धांत के साथ हुई थी। नागरिक सेवा की परंपरा को जारी रखने के लिए विश्वविद्यालय छात्रों की सहभागिता बढ़ाने के नए-नए तरीके अपनाते रहे हैं, जैसे समुदाय आधारित शोध और सेवा के ज़रिये सीखना। समुदाय आधारित अध्ययन छात्रों को उन परियोजनाओं से जोड़ता है जो सामाजिक मुद्दों से ताल्लुक रखती हैं। सेवा अध्ययन समाज सेवा को कक्षा आधारित अध्ययन से जोड़ता है और छात्रों को उनकी परियोजनाओं के लिए अकादमिक क्रेडिट मिलते हैं। अक्टूबर 2006 में पहली बार छह महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को उल्लेखनीय छात्र-सेवा परियोजनाओं को समर्थन और प्रोत्साहन देने के लिए राष्ट्रपति का हायर एजुकेशन कम्युनिटी सर्विस अवार्ड हासिल हुआ। तीन पुरस्कार सामान्य सामुदायिक सेवा में श्रेष्ठता के लिए थे और तीन खाड़ी तट तूफान राहत कार्यों के लिए थे।

ट्यूशन और परामर्शक का ज़िम्मा

कैलिफोर्निया स्टेट विश्वविद्यालय, मोंटेरी बे को भी कम्युनिटी सर्विस अवार्ड से सम्मानित किया गया। यहां सारे अंडरग्रेजुएट छात्रों के लिए सेवा-अध्ययन का प्रावधान है। कुछ छात्र ट्यूटर और परामर्शक की तरह उन स्कूलों में काम करते हैं, जिनका प्रदर्शन ठीक नहीं रहा है, दूसरे छात्र बेघर और हाशिये पर मौजूद अन्य लोगों की सहायता करते हैं। उनके लिए स्थानीय सूप किचन में खाना तैयार करते हैं, नज़दीकी कंप्यूटर प्रयोगशाला में पढ़ाते हैं या फिर आसपास के इलाके के सौंदर्यीकरण समेत अन्य परियोजनाओं पर काम करते हैं।

जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय, बाल्टीमोर, मैरीलैंड के 19 वर्षीय विद्यार्थी एलिसन स्टोडार्ट कहते हैं, ''मुझे परामर्शक सेवाएं देना अच्छा लगता है, क्योंकि इससे मुझे महसूस होता है कि मैं समाज का हिस्सा हूं।''

मिडिलबरी कॉलेज, वर्मोंट की 20 वर्षीय छात्रा क्रिस्टन वार्ड कहती हैं, ''मुझे इन लड़कियों की ज़िंदगी के अहम दौर में आदर्श प्रस्तुत करने का मौका पाकर अच्छा लग रहा है।'' उसने मिडिल स्कूल की छात्राओं के साथ परामर्शक के रूप में अपने अनुभवों के बारे में वाशिंगटन फाइल से बातचीत में यह खुलासा किया। उसे यह मौका सिस्टर टू सिस्टर नामक प्रोग्राम में मिला। अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी वूमेन द्वारा प्रायोजित इस प्रोग्राम के तहत स्कूली छात्राओं के लिए पूरे दिन का सम्मेलन आयोजित होता है जिसमें महिला सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

ट्यूशन देना और परामर्शक की भूमिका विश्वविद्यालय परिसर की सबसे लोकप्रिय स्वयंसेवी गतिविधियों में शामिल हैं। इनके बाद धन जुटाना, खाना तैयार करना, वितरित करना और खाना खिलाने का क्रम आता है। वर्ष 2005 में विश्वविद्यालयी छात्र-छात्रा स्वयंसेवकों के करीब 32 प्रतिशत ने शैक्षिक संस्थाओं और युवा सेवा संगठनों में और करीब 24 प्रतिशत ने धार्मिक संगठनों में काम किया था। अन्य ने खेल संगठनों और सांस्कृतिक संगठनों से लेकर उन संगठनों में काम किया जो अंतर्राष्ट्रीय मसलों, सार्वजनिक सुरक्षा और पर्यावरण और स्वास्थ्य रक्षा में विशेषज्ञता रखते हैं।

ट्रिनिटी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, शिकागो के विद्यार्थी कैटरिना तूफान के बाद न्यू ऑर्लिएंस में एक पार्क की सफ़ाई करते हुए।

मेल हार्पर © ए.पी. डब्ल्यू डब्ल्यू पी.

धन जुटाना और कुकीज़ पकाना

ज़्यादा से ज़्यादा विश्वविद्यालय ऐसे प्रोग्राम तैयार कर रहे हैं, जिनसे छात्रों को स्वयंसेवी गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक कार्य और अकादमिक कार्यक्रमों को जोड़ा जा सके। कुछ सेवा अध्ययन कार्यक्रम तो पूरे तौर पर छात्रों द्वारा ही चलाए जाते हैं। छात्रों द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों का एक उदाहरण है नेशनल स्टूडेंट पार्टनरशिप्स (http://www.nspnet.org/)। इसे 1998 में येल विश्वविद्यालय, न्यू हैवन, कनेक्टीकट में दो अंडरग्रेजुएट छात्रों ने शुरू किया था। यह कार्यक्रम ड्राप-इन केंद्रों का राष्ट्रीय नेटवर्क चलाता है। इसमें क्षेत्र के विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी स्वयंसेवक काम करते हैं।

विद्यार्थी स्वयंसेवक निम्न आय वर्ग के लोगों को मौके पर विस्तृत और संदर्भगत सेवाएं देते हैं। नेशनल स्टूडेंट पार्टनरशिप्स का फैलाव 12 शहरों तक हो चुका है और इसमें 2500 से ज़्यादा प्रशिक्षित विद्यार्थी स्वयंसेवक शामिल हैं। धार्मिक समूह विश्वविद्यालय परिसरों में सामुदायिक सेवा में शामिल होते हैं।

महाविद्यालयों के छात्रों में एक और प्रवृत्ति बढ़ रही है, वह है-अल्टरनेटिव स्प्रिंग ब्रेक आंदोलन। इसमें विश्वविद्यालयों के छात्र और छात्राएं समाज सेवा परियोजनाओं के लिए मार्च में छुट्टी के हफ़्ते में काम करते हैं। हर साल हज़ारों छात्र फ़्लोरिडा के समुद्र तट की पार्टियों में जाने के बजाय निम्न आय परिवारों के लिए घर बनाते हैं, एचआईवी-एड्स मरीजों की देख-रेख करते हैं और बच्चों को ट्यूशन देते हैं।

वर्मोंट के मिडिलबरी कॉलेज के यहूदी छात्र संगठन के नौ छात्रों के समूह ने परिसर में मार्च 2006 में कैटरिना राहत कार्य के लिए मिसिसिपी की यात्रा की। दस विश्वविद्यालयों के सौ से ज़्यादा छात्रों ने बुरी तरह तबाह 17 छतों की मरम्मत के लिए मिल-जुलकर काम किया। यात्रा की अगुआ रेबेका स्टिनबर्ग कहती हैं, ''यह अनोखा अनुभव था। मुझे मालूम है कि हम इसे कभी नहीं भूलेंगे।''

हर साल कार्पोरेशन फ़ॉर नेशनल एंड कम्युनिटी सर्विस (www.nationalservice.org) हर आयु वर्ग के 20 लाख अमेरिकियों को सीनियर कॉर, अमेरिकॉर और लर्न एंड सर्व अमेरिका के ज़रिये अपने समुदाय की सेवा का अवसर मुहैया कराता है।

कार्पोरेशन फॉर नेशनल एंड कम्युनिटी सर्विस संस्था का अनुमान है कि वर्ष 2010 तक पचास लाख विद्यार्थी स्वयंसेवा से संबद्ध हो जाएंगे।

मार्था पलुक यूएसइनफो की कार्यालय लेखिका हैं।